आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 11 अंक : 06 लखनऊ, गुरूवार 14 मई से 20 मई, 2020 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

प्रवासी श्रमिक किसी भी दशा में पैदल न आये : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रवासी श्रमिक किसी भी दशा में पैदल न आये। योगी ने बुधवार को लोक भवन में एक उच्च स्तरीय बैठक में लॉकडाउन व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि कोई श्रमिक पैदल न आये। उनके लिए वाहन उपलब्ध करवाये जाएं। सभी प्रवासी कामगारोंध्श्रमिकों की स्क्रीनिंग कर उन्हें क्वारंटीन किया जाए। अस्वस्थ होने की दशा में इनके उपचार की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि प्रवासी श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए वृहद कार्ययोजना बनायी जाय। प्रदेश में रह रहे अन्य राज्यों के श्रमिकों को उनके गृह राज्य में भेजने के लिए सम्बन्धित राज्य से सूची उपलब्ध कराई जाए।

दुकानों, मण्डियों, बैंक शाखाओं आदि में सोशल डिस्टेंसिंग का सख्ती से पालन कराया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी लोग मास्क अवश्य पहनें। गांव तथा शहर में सर्विलांस कार्य को और प्रभावी करने के लिए निगरानी समितियों को सुदृढ़ बनाया जाए। योगी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्प लाइन के द्वारा निगरानी समितियों के सदस्यों से संवाद जारी रखा जाए। उन्होंने आगरा, मेरठ तथा कानपुर नगर में लॉकडाउन को कड़ाई से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य में बड़ी संख्या में प्रवासी कामगारध्श्रमिक आ रहे हैं। इसके क्वारंटीन की क्षमता को बढ़ाया जाए। कम्युनिटी किचन व्यवस्था को और बेहतर बनाते हुए सभी के लिए पर्याप्त भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए। यह सुनिश्चित हो कि कोई भी भूखा न रहे।

अर्धसैनिक बलों के जवानों में बढ़ा संक्रमण

नई दिल्ली। पूरे देश में कोरोना वायरस के तेजी से बढ़ रहे संक्रमण का शिकार अर्धसैनिक बलों के जवान भी हो रहे हैं। देश के अलग अलग सुरक्षा बलों में संक्रमण तेजी से फैल रहा है। पिछले २४ घंटों में सुरक्षा बलों के ५६ जवान कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। इसमें केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, सीआईएसएफ के ४१, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीआरपीएफ के तीन और सीमा सुरक्षा बल, बीएसएफ के १३ जवान हैं। सीआईएसएफ के अब तक १०६ जवान इस वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। इस बीच केंद्र सरकार ने बुधवार को जानकारी दी कि भारतीय रेलवे ने पूरे देश में अब तक ६४२ श्रमिक स्पेशल ट्रेनें चलाई हैं। इससे करीब ७.६० लाख यात्रियों को उनके गृह राज्यों में पहुंचाया गया है। यह भी खबर है कि दिल्ली के रेल भवन में एक कर्मचारी के कोरोना पजिटिव मिलने के बाद रेलवे बोर्ड का अफिस १४ और १५ मई को बंद रहेगा। ऑफिस सैनिटाइजेशन के बाद खोला जाएगा। बताया जा रहा है कि देश में कोरोना वायरस के सामुदायिक संक्रमण का पता लगाने के लिए २१ राज्यों के ६६ जिलों को चुना गया है। इंडियन कौंसिल अफ मेडिकल रिसर्च, आईसीएमआर ने बताया है कि इन जिलों में मरीजों के भीतर एंटीबडीज की जांच की जाएगी। एक जिले के १० क्लस्टर क्षेत्र के हर घर से एक–एक व्यक्ति का सैंपल लिया जाएगा।

गेहूं खरीद का भुगतान न हो पाना आपदा के समय किसानों से धोखा है ' अजय कुमार लल्लू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर कहा कि किसानों की गेहूं खरीद का भुगतान नहीं हो पा रहा है। आपदा के समय यह धोखा है। इस समस्या पर सरकार तुरंत ध्यान दे। अजय कुमार ने पत्र में लिखा है कि "कोरोना महामारी के इस दौर में किसानों के गेहूं की अभी तक पूरी खरीदारी नहीं हुई और खरीदारी के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की शर्त से किसानों को बहुत दिक्कत हो रही है।

इसका सरलीकरण किया जाए, क्योंकि मोबाइल द्वारा पंजीकरण करा पाना हर किसान के लिए संभव नहीं है। किसानों की गेहूं खरीद का भुगतान नहीं हो पा रहा है। यह उनके साथ आपदा के समय में धोखा है। इस पर सरकार ध्यान देकर तुरंत भुगतान कराए।" प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने पत्र में यह भी मांग की कि ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश से बर्बाद हुए किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए। इसके अलावा और दैविक आपदा से जिन लोगों की मृत्यु हो गई, उनके परिजनों को यथाशीघ्र उचित राहत व अनुदान दिया जाना चाहिए।

कोरोना संकट के बीच अगले आदेश तक सभी तबादलों पर प्रतिबंध

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ सरकार ने उत्तर प्रदेश में कोरोना महामारी के मद्देनजर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के स्थानांतरण पर प्रतिबंध लगा दिया है। मुख्य सचिव आर.के. तिवारी द्वारा मंगलवार देर रात जारी एक परिपत्र में कहा गया है कि अगले आदेश तक सभी तबादलों पर प्रतिबंध रहेगा। सकरुलर में कहा गया है कि अपरिहार्य परिस्थितियों में ही मुख्यमंत्री की पूर्वानुमति से तबादले किए जा सकते हैं। सभी अतिरिक्त मुख्य सचिवों/प्रमुख सचिवों को भेजे गए अपने परिपत्र में मुख्य सचिव ने कहा कि मार्च २०१८ में की गई स्थानांतरण नीति २०२१–२२ तक मान्य थी। सकरुलर में कहा गया है कि कोविड –१६ महामारी को देखते हुए २०२०–२१ के दौरान सभी प्रकार के अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादलों पर प्रतिबंध रहेगा। इस सकरुलर के मुताबिक, मौत, मेडिकल इमरजेंसी, प्रमोशन, इस्तीफे, सस्पेंशन आदि के कारण खाली पड़े पदों को तबादलों के जरिए भरा जा सकता है।

प्रदेश सरकार ने छह वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों का किया तबादला

लखनऊ। कोरोना संक्रमण से बचाव के लिये तमाम उपायों के बीच उत्तर प्रदेश सरकार ने मंगलवार को छह वरिष्ठ चिकित्साधिकारियों का तबादला कर दिया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मथुरा के मुख्य चिकित्साधिकारी डा शेर सिंह को आरएफपीटीसी मुरादाबाद का प्रिसिंपल बनाया गया है जबकि उनके स्थान पर भेजे गये डा संजीव यादव जिले में कोविड–१६ को नियंत्रण करने का मोर्चा संभालेंगे। डा. यादव इससे पहले आरएफपीटीसी मुरादाबाद के प्रिसिंपल थे। उन्होने बताया कि आगरा में एसएन मेडिकल कालेज के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) एसपी जैन को हटाकर उनकी जगह डा बीपी पुष्कर को तैनात किया गया है जबकि डा जैन को जिलाधिकारी कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। डा. पुष्कर इससे पहले जिला चिकित्सालय ट्रामा सेंटर मुरादाबाद के वरिष्ठ परामर्शदाता के तौर पर कार्यरत थे। सूत्रों ने बताया कि इसके अलावा जिला चिकित्सालय मुरादाबाद के वरिष्ठ परामर्शदाता डा भवतोष शंखवार को सीएमओ बुलंदशहर बनाकर भेजा गया है वहीं मौजूदा सीएमओ डा केएन तिवारी को डा पुष्कर के स्थान पर ट्रामा सेंटर मुरादाबाद का वरिष्ठ परामर्शदाता बनाया गया है।

६६ हजार शिक्षक भर्ती परीक्षा का परिणाम घोषित

लखनऊ। बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से संचालित प्राथमिक विद्यालयों के लिए शुरू हुई ६६ हजार शिक्षकों की भर्ती का परिणाम जारी कर दिया गया है। कुल १४६०६० सफल उम्मीदवारों में ८०१८ शिक्षा मित्र भी सफल हुए हैं। हालांकि पहले ये उम्मीद नहीं थी कि इतनी संख्या में शिक्षा मित्र भी सफल हो जायेंगे। इस परिणाम के बारे में जानकारी देते हुए परीक्षा नियामक प्राधिकारी ने बताया कि कुल १४६०६० सफल उम्मीदवारों में ८०१८ शिक्षा मित्र भी सफल हुए हैं। इसमें सबसे अधिक संख्या ८४ हजार के करीब अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों की है। इस तरह से जारी हुआ परिणामए डीएलएड के कुल सफल अभ्यर्थी– ३८६१०, शिक्षा मित्र के कुल सफल अभ्यर्थी– ८०१८, डीएड एनसीईटी के कुल सफल् अभ्यर्थी– १०३४ए डीएएड

स्पेशल एजुकेशन में अभ्यर्थी– ५४६, स्पेशल बीटीसी के कुल अभ्यर्थी– ३०१, उर्दू बीटीसी के कुल अभ्यर्थी– ७०, बीएलएड के कुल अभ्यर्थी– ११०, बीएड के कुल अभ्यर्थी– ६७३६८, अधि

ाकारियों ने बताया कि बीते ६ जनवरी को परीक्षा आयोजित हुई थी उसमें शामिल अभ्यर्थी अपना परिणाम वेबसाइट पर १३ मई को चेक कर पायेंगे। परिणाम परीक्षा के लिए बनायी गयी अफिशियल वेबसाइट पर अपलोड किया जायेगा। सहायक अध्यापक भर्ती परीक्षा २०१६ परिणामों की घोषणा के बाद अब लिखित परीक्षा में सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों के लिए न्यूनतम ६५ फीसदी अंक और सभी आरक्षित वर्गों के लिए न्यूनतम ६० फीसदी अंक के साथ–साथ विभिन्न शैक्षणिक स्तरों (हाई स्कूल, इंटरमीडिएट, स्नातक, आदि) पर प्राप्तांकों के आधार पर मेरिट बनाई जाएगी।

सम्पादकीय

साढ़े तीन हजार नए संक्रमित, कोरोना से ढाई हजार से ज्यादा मौतें

कोरोना वायरस के संक्रमण से देश भर में मरने वालों की संख्या का रोजाना का औसत एक सौ मौतों से ज्यादा हो गया है। बुधवार की शाम तक एक दिन में १२० लोगों की मौत की खबर आई, जिसके बाद देश भर में कोरोना के संक्रमण से मरने वालों की संख्या ढाई हजार का आंकड़ा पार कर गई। बुधवार की शाम तक देश में १२० लोगों की मौत हुई, जिसके बाद कुल मौतों का आंकड़ा २.५३५ पहुंच गया। इससे पहले मंगलवार को ११४ लोगों की मौत हुई थी। सबसे ज्यादा प्रभावित महाराष्ट्र में एक हजार के करीब पहुंच चुका है। बुधवार को सबसे ज्यादा ५४ मौतें महाराष्ट्र में हुई। यह कोरोना वायरस के संक्रमण से होने वाली मौतों का नया रिकॉर्ड है। इससे पहले मंगलवार को ५३ लोगों की मौत हुई थी। राज्य में अब तक ६७५ लोगों की मौत हो चुकी है। कोरोना वायरस के संक्रमण के नए इपीसेंटर के तौर पर उभरे गुजरात में बुधवार को २६ लोगों की मौत हुई, जिसके बाद राज्य मरने वालों की संख्या ५६६ पहुंच गई। मंगलवार को गुजरात में २४ लोगों की मौत हुई थी। महाराष्ट्र के बाद पूरे देश में सबसे तेजी से संक्रमण और मृतकों की संख्या गुजरात में बढ़ रही है। बुधवार की शाम तक महाराष्ट्र और गुजरात के बाद सबसे ज्यादा २० लोगों की मौत राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हुई। इसकी वजह से यहां मरने वालों की कुल संख्या एक सौ का आंकड़ा पार कर १०६ पहुंच गई। मंगलवार को दिल्ली में १३ लोगों की जान गई थी। मध्य प्रदेश में बुधवार को सात लोगों की मौत हुई, जिसके बाद मरने वालों का आंकड़ा २३२ हो गया। बुधवार को तमिलनाडु में तीन लोगों की मौत हुई, जिसके बाद राज्य में मरने वालों की संख्या ६४ पहुंच गई। राजस्थान में तीन लोगों की मौत हुई, जिसके बाद राज्य में मरने वालों की संख्या १२० हो गई। इसके कर्नाटक में दो और आंध्र प्रदेश व बिहार में एक–एक व्यक्ति की मौत हुई है। ये आंकड़े कोविड१६ इंडिया डॉट ओआरजी की वेबसाइट और राज्यों से मिली जानकारी पर आधारित हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक बुधवार की शाम तक २,४१५ लोगों की मौत हुई है। भारत में कोरोना वायरस के संक्रमितों की संख्या बढ़ने का हर दिन का औसत तीन हजार से ऊपर पहुंच गया है। बुधवार को देर शाम तक वायरस से संक्रमण के साढ़े तीन हजार से ज्यादा नए मामले आए, जिसके बाद देश भर में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़ कर ७८ हजार के करीब पहुंच गई। बुधवार को देश भर से मिले आंकड़ों के मुताबिक ३,५१६ नए मामले आए, जिसकी वजह से कुल संख्या ७७,८४६ पहुंच गई। इनमें से साढ़े २६,०६७ लोग इलाज से ठीक हुए हैं और २,५३५ लोगों की मौत हुई है। अभी ४६,२३६ लोगों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित महाराष्ट्र में बुधवार की शाम तक रिकार्ड संख्या में १,४६५ मामले आए, जिसके बाद राज्य में संक्रमितों की संख्या बढ़ कर २५,६२२ हो गई। संक्रमण के नए इपीसेंटर के तौर पर उभरे गुजरात में बुधवार को ३६४ नए मामले आए जिसके बाद संक्रमितों की कुल संख्या ६,२६८ हो गई है। तमिलनाडु में भी संक्रमितों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। बुधवार को राज्य में ५०६ नए मामले आए, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या ६,२२७ हो गई। इससे पहले मंगलवार को राज्य में ७१६ नए मामले आए थे। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बुधवार को ३५६ मामले आए, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या बढ़ कर ७,६६८ पहुंच गई। पश्चिम बंगाल में ११७ नए मामले आए, जिसके बाद राज्य में संक्रमितों की संख्या बढ़ कर २,२६० पहुंच गई। राजस्थान में बुधवार को १५२ नए मामले आए, जिसके बाद वहां संक्रमितों की संख्या ४,२७८ पहुंच गई। पंजाब में १० नए मामले सामने आए, जिसके बाद वहां संक्रमितों की संख्या १,६२४ पहुंच गई है। आंध्र प्रदेश में ४८ नए मामले आए, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या २,१३७ हो गई है। मध्य प्रदेश में बुधवार को १८७ नए मामले मिले, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या ४,१७३ पहुंच गई। बिहार में भी बुधवार को भी संक्रमितों की संख्या तेजी से बढ़ी। राज्य में संक्रमण के ५३ नए मामले सामने आए, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या बढ़ कर ६३२ हो गई। प्रवासी मजदूरों के राज्य में लौटने के बाद पिछले चार दिन में संक्रमितों की संख्या में ढाई सौ से ज्यादा का इजाफा हुआ है। इसके अलावा कर्नाटक में ३४, जम्मू कश्मीर में ३७, हरियाणा में १३, केरल में १०, ओड़िशा में १०१ और चंडीगढ़ में चार नए मामले सामने आए। ये आंकड़े कोविड१६इंडिया डट ओआरजी की वेबसाइट और राज्यों से मिली सूचना पर आधारित हैं। भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक बुधवार की शाम तक संक्रमितों की कुल संख्या ७४,२८० थी, जिसमें से २,४१५ लोगों की मौत हुई थी और २३,३८५ लोग इलाज से ठीक हुए थे। इसके मुताबिक ४७,४८० लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पंचायतों व शहरी निकायों में निगरानी समितियों को बेहतर सर्विलांस के लिए किया जाए सक्रियः योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोरोना पर नियंत्रण में निगरानी समितियों की बड़ी भूमिका है। इसलिए सभी ग्राम पंचायतों तथा शहरी निकायों में वॉर्ड स्तर पर बेहतर सर्विलांस के लिए इन्हें सक्रिय किया जाए। मुख्यमंत्री योगी मंगलवार को यहां अपने सरकारी आवास पर उच्चस्तरीय बैठक में लकडाउन व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि निगरानी समितियां होम क्वारंटाइन की अवधि में प्रवासी कामगारों–श्रमिकों के सर्विलांस का कार्य करेंगी। निगरानी समितियों के कार्य के लिए एक मैकेनिज्म तैयार करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि इस समिति में ग्राम प्रधान, ग्राम चौकीदार, आशा वर्कर स्वच्छाग्रही, युवक मंगल दल तथा नेहरू युवा केन्द्र के सदस्यों को शामिल किया जाए। योगी ने कहा कि निगरानी समितियों के द्वारा यह भी सुनिश्चित कराया जाए कि कोई भी बाहरी व्यक्ति यदि चोरी–छिपे उनके क्षेत्र में आए तो वे प्रशासन को सूचित करें। बाद में, निगरानी समितियां पौधारोपण तथा खाद्यान्न वितरण में भी उपयोगी भूमिका निभा सकती हैं। पंचायतों और वार्डों में समितियां सर्विलांस में उपयोगी साबित हो

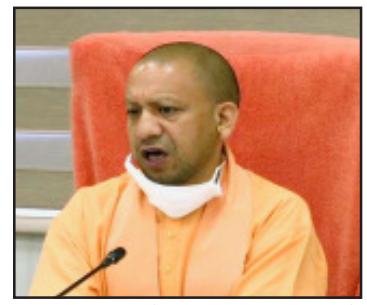

सकती हैं। योगी आदित्यनाथ ने सभी जरूरतमंद और पात्र लोगों को राशन कार्ड दिए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में आने वाले सभी प्रवासी कामगारों–श्रमिकों को चरणबद्घ ढंग से राशन कार्ड उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाए। प्रवासी कामगारों–श्रमिकों सहित किसी भी जरूरतमंद के पास राशन कार्ड न होने पर भी उन्हें खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री ने जनपद आगरा, मेरठ तथा कानपुर नगर में लॉकडाउन को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि क्वरंटाइन सेन्टर तथा कम्युनिटी किचन को टैग किया जाए। सभी कृषि विज्ञान केन्द्र कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) को बढ़ावा दें तथा किसानों को ंषि विविधिकरण के लिए प्रशिक्षित करें। किसानों के हित में कुछ स्थानों पर निजी मण्डियों की स्थापना करायी जाए। उन्होंने प्रमुख सचिव कृषि, प्रमुख सचिव खाद्य एवं रसद तथा खाद्य आयुक्त को मण्डियों का निरीक्षण करके आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड–१६ पर प्रभावी नियंत्रण के लिए टेस्टिंग और ट्रेनिंग पर विशेष बल दिया जाए। ज्यादा से ज्यादा टेस्टिंग तथा मेडिकल टीम की बेहतर ट्रेनिंग से संक्रमण को रोकने में बहुत सहायता मिलती है। उन्होंने बरसात के मौसम में होने वाले संचारी रोगों की रोकथाम के लिए अभी से तैयारी प्रारम्भ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संचारी रोगों से बचाव तथा उपचार एवं गर्मी के मौसम में सुचारू पेयजल व्यवस्था के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएं।

डीबीटी के माध्यम से ३६ हजार ग्राम रोजगार सेवकों को २२५.३९ करोड़ रुपये का मानदेय ट्रांसफर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास पर करीब ३६ हजार ग्राम रोजगार सेवकों के खातों में डीबीटी के माध्यम से २२५.३६ करोड़ रुपये का मानदेय ट्रांसफर किया। योगी ने इस दौरान कहा कि "ग्राम्य विकास विभाग ने आज रोजगार सेवकों से जुड़ी हुई समस्याओं का समाधान किया है। ये समस्याएं नवंबर २०१६ से लंबित थीं। प्रदेश के अंदर इस महीने के अंत तक हम लगभग एक करोड़ से अधिक उन रोजगार की संभावनाओं को आगे बढ़ाएं जो प्रदेश के हर नागरिक के प्रत्येक हाथ को रोजगार दे सके।" उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में मनरेगा रोजगार सृजन का एक बड़ा माध्यम बन सकता है। २३ करोड़ की आबादी वाले प्रदेश में हमारा प्रयास होना चाहिए कि हम प्रतिदिन ५० लाख लोगों को रोजगार दे सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, एमएसएमई सेक्टर में लाखों लोगों को रोजगार मुहैया कराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास होना चाहिए कि प्रतिदिन ५० लाख लोग प्रदेश में मनरेगा के रोजगार के साथ जुड़ें। ऐसा करने से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक नया बल मिलेगा। सीएम योगी ने कहा कि "हम लोग प्रतिवर्ष बेसिक शिक्षा परिषद में १ करोड़ ८० लाख से अधिक बच्चों के यूनिफर्म और स्वेटर बनाते हैं, इन्हें बनाने का काम हम महिला स्वयंसेवी समूहों को दे सकते हैं। ऐसे कई कार्यों के लिए हम लोगों और महिला स्वयं सेवी समूहों को प्रेरित कर सकते हैं।" उन्होंने कहा कि प्रवासी कामगार और श्रमिकों को विभिन्न स्थानों पर उनकी स्किल के अनुरूप रोजगार देने की व्यवस्था उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में संभव है। इस क्रम में हमने नीतियां बनाई हैं। कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए हमने रोड मैप तैयार किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत सारे लोग विभिन्न स्थानों पर नए–नए रोजगार और नई नई संभावनाओं को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे सकते हैं। मुख्यमंत्री योगी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कन्नौज के अश्वनी कुमार, वाराणसी की प्रेमलता, गोरखपुर के असित कुमार मिश्रा, हरदोई की जूली सिंह और प्रतापगढ़ के रविसेन सिंह से बातचीत की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी को बधाई देते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया।

५० लाख लोगों को सरकार मई के अन्त तक उपलब्ध कराएगी रोजगार : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्राम रोजगार सेवकों से लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने में अपनी जिम्मेदारी निभाने की अपील करते हुये कहा कि सरकार मई के अंत तक राज्य में ५० लाख लोगों को रोजगार मुहैया कराएगी। योगी ने मंगलवार को यहां लोकभवन में अपने कार्यालय में बैठक के दौरान राज्य के ३५८१८ ग्राम रोजगार सेवकों को डीबीटी के जरिए उनके खातों में २२५.३६ करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। उन्होंने कहा कि मई के अंत तक प्रदेश में हमको ५० लाख लोगों को रोजगार देना है। इन सभी को रोजगार देने में ग्राम रोजगार सेवकों की जिम्मेदारी बढ़ेगी। इसके लिए हम सभी को तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि ग्राम सेवक अपने अपने क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार मुहैया करवाएं। ३५८१८ रोजगार सेवकों को आज २२५.३६ करोड़ की राशि का भुगतान डीबीटी के माध यम से किया गया है। यह रोजगार सेवक मनरेगा के काम की मनिटरिंग करते हैं। उन्होंने कहा कि नवंबर २०१६ से ही इनका मानदेय बकाया था। पिछली सरकार ने यह व्यवस्था की थी कि विकासखंड के प्रशासनिक मद से इनका भुगतान हो। प्रशासनिक मद में पैसा न होने के कारण भुगतान नहीं हो पा रहा था। सरकार ने इनकी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए डीबीटी के माध्यम से रोजगार सेवकों के बकाया मानदेय का भुगतान किया है। उन्होंने कहा कि पहले इनकी मानदेय की राशि ३६३० रुपए प्रतिमाह थी, अब सरकार ने इसे ६००० रुपए प्रति माह कर दी है।

आगरा, मेरठ और कानपुर में लाकडाउन के नियमों सख्ती से लागू करने के निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस पर नियंत्रण पाने की सरकार की कोशिशों पर पानी फेर रहे आगरा,मेरठ और कानपुर में लाकडाउन के नियमों को और सख्ती से लागू करने के निर्देश दिये गये हैं। योगी ने मंगलवार को लाकडाउन की समीक्षा बैठक में आगरा, मेरठ तथा कानपुर नगर में लॉकडाउन को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोरोना पर नियंत्रण में निगरानी समितियों की बड़ी भूमिका है। इसलिए सभी ग्राम पंचायतों तथा शहरी निकायों में वॉर्ड स्तर पर बेहतर सर्विलांस के लिए निगरानी समितियों को सक्रिय किया जाये। निगरानी समितियां होम क्वारंटीन की अवधि में प्रवासी कामगारों और श्रमिकों के सर्विलांस का कार्य करेंगी। निगरानी समितियों के द्वारा यह भी सुनिश्चित कराया जाए कि कोई भी बाहरी व्यक्ति यदि चोरी–छिपे उनके क्षेत्र में आए तो वे प्रशासन को सूचित करें। बाद में, यह समितियां वृक्षारोपण तथा खाद्यान्न वितरण में भी उपयोगी भूमिका निभा सकती हैं। निगरानी समितियों के कार्य के लिए एक मैकेनिज्म तैयार करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि इस समिति में ग्राम प्रधान, ग्राम चौकीदार, आशा वर्कर स्वच्छाग्रही, युवक मंगल दल तथा नेहरू युवा केन्द्र के सदस्यों को शामिल किया जाए। योगी ने सभी जरूरतमंद और पात्र लोगों को राशन कार्ड दिए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में आने वाले सभी प्रवासी श्रमिकों को चरणबद्ध ढंग से राशन कार्ड उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाए। प्रवासी श्रमिकों समेत किसी भी जरूरतमंद के पास

राशन कार्ड न होने पर भी उन्हें खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी को भी भोजन अथवा खाद्यान्न की समस्या न होने पाये। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्वारंटीन सेन्टर तथा कम्युनिटी किचन को टैग किया जाना चाहिये। सभी षि विज्ञान केन्द्र कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) को बढ़ावा दें तथा किसानों को कृषि विविधि ीकरण के लिए प्रशिक्षित करें। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना तथा मूल्य समर्थन योजना के तहत गेहूं क्रय केन्द्र की व्यवस्था को और बेहतर ढंग से लागू किया जाए। किसानों के हित में कुछ स्थानों पर निजी मण्डियों की स्थापना करायी जाए। उन्होंने प्रमुख सचिव कृषि, प्रमुख सचिव खाद्य एवं रसद तथा खाद्य आयुक्त को मण्डियों का निरीक्षण करके आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कोविड–१६ पर प्रभावी नियंत्रण के लिए टेस्टिंग और ट्रेनिंग पर विशेष बल देते हुये उन्होने कहा कि ज्यादा से ज्यादा टेस्टिंग तथा मेडिकल टीम की बेहतर ट्रेनिंग से संक्रमण को रोकने में बहुत सहायता मिलती है। स्वास्थ्य विभाग तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दें। मुख्यमंत्री ने बरसात के मौसम में होने वाले संचारी रोगों की रोकथाम के लिए अभी से तैयारी प्रारम्भ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संचारी रोगों से बचाव तथा उपचार एवं गर्मी के मौसम में सुचारू पेयजल व्यवस्था के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएं। इंसेफेलाइटिस की दृष्टि से संवेदनशील जिलों में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को तैयार रखा जाए। राजस्व वृद्धि के मद्देनजर माइनिंग गतिविधियों में तेजी लायी जाए। हॉटस्पॉट क्षेत्रों के बाहर हार्डवेयर की दुकानों को खोलने की अनुमति दी जाए।

जमीनों को चिन्हित कर लैंड बैंक में परिवर्तित क उद्योग लगाने की व्यवस्था की जाए : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में बहुत बड़ा लैंड बैंक तैयार कर उद्योग–धंधे शुरू करने का आह्वान किया है। प्रदेश के अपर मुख्य सचिव (गृह) अवनीश कुमार अवस्थी ने बुधवार को कोरोना वायरस के संबंध में पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश में बहुत बड़ा भूभाग है और इसमें बहुत बड़ा हिस्सा लैंड बैंक है, जो सरकारी जमीनों के रूप में हैं। ये जमीन चाहे राजस्व विभाग की हो, सिंचाई विभाग की हो, या उद्योग विभाग की, ऐसी जमीनों को चिन्हित करने का कार्य शुरू हो। ऐसी जमीनों को लैंड बैंक में परिवर्तित करते हुए इनपर उद्योग लगाने की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार रेलवे मंत्रालय से लगातार संवाद स्थापित कर प्रवासी लोगों को वापस लाने का कार्य कर रही है। ऐसे में किसी को भी पैदल यात्रा नहीं करनी चाहिए। प्रदेश सरकार द्वारा अबतक ४ लाख से अधिक लोगों को वापस लाया गया है। अन्य को भी सुरक्षित लाने का हमारा प्रयास निरंतर जारी है। अवस्थी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने टीम ११ के साथ बैठक में अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए निर्देश दिया कि दूसरे प्रदेशों से आने वाले कामगारों व श्रमिकों के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाए। कुछ प्रकरणों में अधि ाकारियों द्वारा लोगों के साथ उचित व्यवहार न किए जाने का मामला सामने आया था, जिसपर योगी ने सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया है। अवस्थी ने बताया कि प्रदेश में औद्योगिक विकास पर बल देते हुए योगी ने औद्योगिक विकास विभाग को जल्द से जल्द सेक्टोरल नीति लाने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने एक बार फिर कानपुर, मेरठ और आगरा में लकडाउन के सख्त पालन का निर्देश दिया है। उन्होंने इन तीन जिलों के चिकित्सा व्यवस्था को अपग्रेड करने का आदेश दिया है। उन्होंने यह भी आदेश दिया है कि बहुत से दूसरे राज्यों के लोग जो प्रदेश में रह रहे हैं और जिन्होंने जनसुनवाई पोर्टल पर अपने प्रदेश में जाने की इच्छा व्यक्त की है, ऐसे लोगों को भी उनके प्रदेश में ई–पास जारी कर भेजने की तैयारी करने की जाए। ऐसे लोगों की संख्या करीब ढाई लाख है। उन्होंने बताया कि गुजरात से १५६ ट्रेनों से दो लाख, महाराष्ट्र से ३८ ट्रेनों से ५० हजार, पंजाब से ५० ट्रेनों से ६० हजार, तेलंगाना से ४ ट्रेन से ५ हजार, कर्नाटक से ८ ट्रेनों से १० हजार, केरल से ४ ट्रेनों से ५ हजार लोगों सहित कुल २६८ ट्रेनों से ३ लाख २६ हजार ४० श्रमिकों व कामगारों की वापसी हुई है। उत्तर प्रदेश में अब ४४ जिलों के स्टेशन को श्रमिक स्पेशल ट्रेनों के लिए तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि अबतक बस व ट्रेनों से ४ लाख लोग आए हैं।

बिना परीक्षा के सीधे अगली कक्षा में प्रोन्नत होंगे संस्त बोर्ड के छात्र : उपमुख्यमंत्री

लखनऊ। बेसिक और माध्यमिक शिक्षा परिषद की तरह अब संस्ंत माध्यमिक शिक्षा परिषद के बच्चे भी बिना परीक्षा के सीधे अगली कक्षा में प्रोन्नत होंगे। उप उपमुख्यमंत्री ड. दिनेश शर्मा ने इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संस्ंत माध्यमिक विद्यालयों में वर्ष २०१६–२० के शैक्षिक सत्र की प्रथमा– प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं पूर्व मध यमा–प्रथम एवं उत्तर मध्यमा–प्रथम (कक्षा–६, ७, ८, ६ तथा कक्षा–११) के समस्त छात्र–छात्राओं को को अगली कक्षा में प्रवेश दिया जाएगा। इस संबंध में आदेश भी जारी कर दिया गया है। जारी आदेश इसी इसी साल के लिए मान्य होगा। डॉ. शर्मा ने बताया कि ये निर्णय कोरोना वायरस (कोविड–१६) के संक्रमण के फैलाव से बचाव एवं

नियंत्रण किए जाने के उद्देश्य से लिया गया है। इससे पहले माध यमिक शिक्षा परिषद और बेसिक शिक्षा परिषद ने भी दसवीं और बारहवीं को छोड़ अन्य कक्षाओं के बच्चों को अगली कक्षा में बिना परीक्षा के ही प्रवेश दिया है।

रोडवेज बस ने मजदूरों को रौंदा

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरगनर में रोहाना टोल प्लाजा के पास बुधवार देर रात कथित तौर पर एक रोडवेज बस ने मजदूरों को रौंद दिया, जिससे छह लोगों की मौत हो गई है। मृतकों की पहचान हरीक सिंह (५१), उनके बेटे विकास (२२), गुड्डू (१८), वासुदेव (२२), हरीश (२८) और विरेंद्र (२८) के रूप में की गई है। ये पीड़ित बिहार से आए प्रवासी मजदूर थे, जो पैदल अपने घर लौट रहे थे। पुलिस उनके परिवार के सदस्यों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। शहर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अनिल कपरवान ने कहा, "हमें रात ११ बजे के आसपास यह सूचना मिली कि एनएच–६ में पैदल चल रहे लोग किसी बस दुर्घटना के शिकार हो गए हैं। मौके पर पहुंचने पर, हमें स्थानीय लोगों ने बताया कि वे प्रवासी मजदूर थे।" उन्होंने इस बारे में आगे और जानकारी देते हुए बताया कि बुध ावार देर रात को मुजफ्फरगनर–सहारनपुर स्टेट हाईवे–५६ पर रोहाना टोल प्लाजा के पास रोडवेज की बस ने सहारनपुर लौट रहे श्रमिकों के काफिले को कुचल दिया, जिसमें ४ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोगों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया है। वारदात को अंजाम देने वाला ड्राइवर बस को मौके पर छोड़कर भाग खड़ा हुआ था, जिसे आज सुबह गिरफ्तार कर लिया गया है। मरने वाले सभी ६ पुरुष हैं और सभी बिहार के रहने वाले थे। चार लोग गोपालगंज, एक पटना और एक भोजपुर के रहने वाले थे।" उन्होंने आगे कहा, "इनके ४ साथी घायल हो गए हैं, जिनका इलाज मेरठ अस्पताल में चल रहा है। जबकि दो को मामूली चोटें आई हैं, जिन्हें उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हादसे के वक्त उस बस में कोई यात्री सवार नहीं था। जहां बस ने मजूदरों को पीछे से टक्कर मारी, वहां सड़क के किनारे खून के धब्बे, चप्पलें इत्यादि बिखरी हुई हैं।

प्रवासी महिला ने पेड़ के नीचे बच्ची को जन्म दिया

ललितपुर। रोजगार ना मिलने की वजह से एक प्रवासी गर्भवती महिला ने जान को खतरे में डालकर मध्य प्रदेश से ५०० किलोमीटर की पैदल यात्रा की और उत्तर प्रदेश के ललितपुर पहुंची जिले में सड़क के किनारे एक पेड़ के नीचे एक बच्ची को जन्म दिया। महिला, एक दर्जन अन्य लोगों के साथ मध्य प्रदेश के ६ ाार से कई दिनों से पैदल चल रही थी और ५२० किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद उसे सोमवार को बालाभेट गांव में प्रसव पीड़ा होने लगी। जब वह यात्रा पर निकली थी तब वह साढ़े आठ महीने की गर्भवती थी। उसके पति टंटू ने कहा कि उसकी पत्नी राजबेटी यात्रा के दौरान लिए गए छोटे से ब्रेक में खाना बना रही थी, तभी उसे प्रसव पीड़ा होने लगी और बाद में उसने पेड़ के नीचे एक बच्ची को जन्म दिया। उसके पति और समूह की कुछ अन्य महिलाओं ने उसकी सहायता की। उन्होंने कहा कि प्रवासियों का ये समूह धार जिले के प्रीतमपुर क्षेत्र से

ललितपुर में अपने गांव की ओर पैदल चल रहा था। जिस कारखाने में वे काम कर रहे थे, वह कोरोनोवायरस के प्रकोप के कारण लगे राष्ट्रव्यापी लकडाउन के चलते बंद हो गया था। जब बल्लभ गांव के मुखिया को महिला के बारे में पता चला, तो उन्होंने पास के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) से एक मेडिकल टीम को बुलाया। टीम ने मां और नवजात को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की और फिर उन्हें अस्पताल ले गई जहां से उन्हें बाद में छुट्टी दे दी गई। ललितपुर के मुख्य चिकित्सा अधि ाकारी, प्रताप सिंह ने कहा, "हमारी मेडिकल टीम के पहुंचने से पहले महिला ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दे दिया था। बाद में, मां और नवजात शिशु दोनों को मौके पर ही चिकित्सा सहायता दी गई और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्थानांतरित कर दिया गया। दोनों सुरक्षित हैं और जानकारी के मुताबिक, महिला मजदूर ललितपुर जिले के बरखिरिया ग्राम निवासी है ,जिसे स्वास्थ विभाग द्वारा अब घर पहुंचाने की तैयारी कर रहा है।

अद्भुत रास्ता : स्वर्ग का रास्ता

अमरेन्द्र सहाय अमर

कहा जाता है कि जीते जी इंसान जैसा कर्म करता है उसी के हिसाब से मरने के बाद उसकी आत्मा को स्वर्ग या नर्क में स्थान मिलता है. स्वर्ग और नर्क दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, हालांकि कोई भी इंसान ये नहीं चाहेगा कि मरने के बाद उसे नर्क की यातनाएं झेलनी पड़े लिहाजा हर इंसान मरने के बाद स्वर्ग लोक जाने की ही कामना करता है. लेकिन स्वर्ग लोक आखिर दिखता कैसा है क्योंकि परलोक या स्वर्ग का अस्तित्व मानव के लिए हमेशा से ही एक पहेली रहा है. जीते जी स्वर्ग किसी को देखने को नहीं मिलता है और मौत के बाद स्वर्ग के रहस्य को कोई बताने वापस नहीं लौटता है कहाँ से जाते होंगे स्वर्ग ? कहाँ है स्वर्ग का रास्ता ? क्या जीवित इंसान स्वर्ग जा सकता है ? हर इंसान जीते जी स्वर्ग जाने का सोचता है. लेकिन ये बात बहुत कम लोगो को पता है कि जीवित इंसान भी अपने पूरे शरीर के साथ आसमान से होते हुए सीधे स्वर्ग जा सकता है. लेकिन मैं इस कथन की सच्चाई का दावा नहीं करता. जहाँ से स्वर्ग जाया जाता है उस स्थान का नाम है स्वर्ग रोहिणी, जहाँ पहुँचने पर पहाड़ो के ऊपर से आसमान पर बनी तीन सीढी दूर से दिखाई देती है . स्वर्गारोहिणी की यात्रा उत्तराखण्ड में बद्रीनाथ धाम से की जाती है. स्वर्गारोहिणी जाने के लिए बर्फीले और पहाड़ी रास्ते से होकर जाया जाता है . यह स्वर्ग जाने की वही सीढ़ी है जहाँ से पांचो पांडव और पांचाली स्वर्ग जाने के लिए गए थे. लेकिन रास्ते में ही एक एक करके चार पांडव और पांचाली की मौत हो गई. और अंत में एक मात्र युधिष्ठिर एक स्वान अर्थात कुत्ते के साथ आसमान के उसकी रास्ते से जीवित शारीर के साथ स्वर्ग गए. वह स्वर्ग का रास्ता आज भी है और उस रास्ते में कोई मिले न मिले, कोई साथ दे ना दे लेकिन स्वान इंसानों का साथ देने आ ही जाते हैं . कहा जाता है की ये स्वान कहा से आते हैं किसी को नहीं पता, लेकिन युधिष्ठिर के साथ जो स्वान स्वर्ग गए वो स्वय यम थे जो धर्म राज युधिष्ठिर की परीक्षा लेने आये थे और युधिष्ठिर ने बिना स्वान के स्वर्ग जाने से मना कर दिया क्योंकि उस यात्रा में एक एक करके सबने युधिष्ठिर का साथ छोड़ दिया था. लेकिन उस स्वान ने युधिष्ठिर का साथ दिया इसलिए युधिष्ठिर बिना स्वान के स्वर्ग नहीं गए और बाद में पता चला कि स्वयं यमराज स्वान बनकर युधिष्ठिर की परीक्षा लेने के लिए आये थे.और आज भी यात्रा के अंतिम में स्वान इंसानों का साथ देने आ पहुँचते हैं. पौराणिक और लोक कथाओं के अनुसार पांचों पांडव और द्रौपदी अपने अंतिम समय में सब कुछ त्यागकर सशरीर स्वर्ग जाने के लिए बद्रीनाथ से आगे माणा गांव होते हुए स्वर्गरोहिणी की ओर प्रस्थान कर गए, लेकिन मार्ग की कठिनाइयों और प्रतिकूल मौसम के कारण एक–एक कर उनका देहावसान होता चला गया. केवल युधिष्ठिर ही जीवित रहे और वही धर्मराज के साथ सशरीर स्वर्ग जा सके. कुछ लोग ऐसा भी मानकर चलते हैं कि बाकी चारों पांडवों और द्रौपदी को कुछ घमंड हो गया था, जिसके परिणामस्वरूप वे लोग सशरीर स्वर्ग नहीं पहुंच पाए. उत्तराखंड के चार धामों में से एक बद्रीनाथ तक आप बस या कार से आसानी से पहुंच सकते हैं. इससे आगे भारत के इस तरफ के अंतिम गांव माणा तक जाने के लिए भी अब आपको कोई न कोई गाड़ी मिल जाती है, लेकिन सतोपंथ और स्वर्गरोहिणी जाने के लिए पैदल ही लगभग २८ किमी. का दुर्गम रास्ता तय करना होता है. सतोपंथ ताल बहुत पवित्र माना जाता है. ऐसा माना जाता है कि एकादशी के दिन इस हरे रंग के पानी वाले त्रिभुजाकार पवित्र ताल में तीनों देवता ब्रह्मा, विष्णु और महेश स्नान करने के लिए आते हैं. कुछ वर्ष पहले तक स्वर्गरोहिणी का रास्ता माणा गांव से वसुधारा फॉल होते हुए जाता था, लेकिन आगे अलकनंदा नदी के धानू ग्लेशियर के टूट जाने के कारण अब यह रास्ता वसुधारा फॉल की विपरीत दिशा से होकर जाता है. स्वर्गरोहिणी की यात्रा पर जाने वाले यात्री, भगवान बद्रीनाथ का दर्शन करने के बाद अपनी यात्रा शुरू करते हैं. माणा गांव में व्यास गुफा, गणेश गुफा और भीम पुल जैसे दर्शनीय स्थल हैं. भीम पुल पर से सरस्वती नदी का वेग देखना मन को प्रसन्न कर देता है. माणा गांव से लगभग पांच किमी. दूर १५० फीट ऊंचा वसुधारा फल है. वहां तक आसानी से पैदल जाकर वापस आ सकते हैं. माणा से वसुधारा फल तक जाने के लिए सुबह–सुबह निकल जाना बेहतर होता है, क्योंकि वसुधारा फल के नीचे तक जाने के लिए वहां एक ग्लेशियर पार करना होता है और जैसे–जैसे धूप चढ़ने लगती है, ग्लेशियर की बर्फ पिघलने से फिसलन होने लगती है. स्वर्गरोहिणी की यात्रा, बद्रीनाथ मंदिर के सामने बने अलकनंदा के पुल को पार करके मंदिर के सामने के रास्ते से अलकनंदा के किनारे–किनारे शुरू होती है. कुछ दूर जाकर नाग देवता का मंदिर आता है जहां यात्री नाग देवता का आशीर्वाद लेकर अपने रास्ते पर आगे बढ़ते जाते हैं. यहां से करीब आधा किमी. दूर माता मूर्ति मंदिर है, जो माणा गांव के विपरीत दिशा में है. स्वर्गरोहिणी की यात्रा, बद्रीनाथ मंदिर के सामने बने अलकनंदा के पुल को पार करके मंदिर के सामने के रास्ते से अलकनंदा के किनारे–किनारे शुरू होती है. कुछ दूर जाकर नाग देवता का मंदिर आता है जहां यात्री नाग देवता का आशीर्वाद लेकर अपने रास्ते पर आगे बढ़ते जाते हैं. यहां से करीब आधा किमी. दूर माता मूर्ति मंदिर है, जो माणा गांव के विपरीत दिशा में है. यह मंदिर भगवान बद्रीनाथ की माता को समर्पित है. यहां अलकनंदा पर पुल बना है, जिसे पार करके माणा गांव पहुंच सकते हैं, जबकि सामने वाला रास्ता सतोपंथ और स्वर्गरोहिणी के लिए चला जाता है. एक तरफ ऊंची–ऊंची चोटियां और दूसरी तरफ गहराई में कल–कल बहती अलकनंदा कठिन रास्ते को आसान बनाने का काम करती है. स्वर्गरोहिणी जाने वाले यात्री इन नजारों का लुत्फ उठाते हुए आनंद वन और धानू ग्लेशियर को पार करके चमटोली बुग्याल पहुंचते हैं. चमटोली बुग्याल में आईटीबीपी का स्थाई कैंप है. इस बुग्याल को पार कर शाम होते–होते यात्री लक्ष्मी वन पहुंचते हैं, जहां पांच पांडवों में से एक नकुल ने अपने प्राण त्यागे थे. लक्ष्मी वन इस मामले में विशेष है कि यहां ३५०० मीटर की ऊंचाई होते हुए भी भोज पत्र के पेड़ों का एक जंगल जैसा है. शायद इसीलिए इस जगह का नाम लक्ष्मी वन है. अगली सुबह यात्री अपने अगले पड़ाव चक्रतीर्थ की तरफ बढ़ते हैं, लेकिन अब रास्ता पहले से कहीं अधिक कठिन और पत्थरों वाला हो जाता है. इस रास्ते में आपको नीलकंठ के साथ–साथ स्वछंद और बालाकुन पर्वत श्रृंखलाएं अपने पूरे यौवन में दिखाई देने लगती हैं. लक्ष्मी वन से चक्रतीर्थ के रास्ते में बहुत सारे झरने अपने पूरे वेग से गिरते हुए दिखाई देते हैं. इस जगह को सहस्त्रधारा कहते हैं. ऐसा माना जाता है कि सहदेव ने यहीं अपने प्राण त्यागे थे. जैसे ही आप सहस्त्रधारा पार कर थोड़ा आगे चलते हैं, आपको एक चौड़ा–सा घास का मैदान दिखने लगता है, यही चक्रतीर्थ है. लोक कथाओं के अनुसार, यहीं अर्जुन का शरीर उनके अपनी वीरता और शौर्य पर घमंड की वजह से गल गया था. यात्रियों का दूसरे दिन का पड़ाव यहीं होता है, क्योंकि यहां भी लक्ष्मी वन की तरह खाना बनाने के लिए गुफा मौजूद है. तीसरे दिन चक्रतीर्थ से सतोपंथ और स्वर्गरोहिणी के लिए निकलते हैं. थोड़ा आगे चलने पर ही सामने की तरफ एक दीवार जैसी खड़ी पहाड़ी दिखने लगती है, जिसे पार करते ही आप एक अलग–सी दुनिया में पहुंच जाते हैं. वह दुनिया, जहां बड़े– बड़े पत्थर हैं और उन पर चलकर ही आपको रास्ता तय करना होता है. इन्हीं पत्थरों के बीच छोटे–छोटे, लेकिन बहुत गहरे क्रेवास मिलते हैं. इनमें अगर इंसान गिर जाए, तो जीवित बच पाना मुश्किल ही है. यहां से सामने की ओर दूर से दिखाई देती लाल झंडी मन में उत्साह पैदा कर देती है और ऐसा लगने लगता है कि बस अब हम सतोपंथ पहुंचने ही वाले हैं. जिस पहाड़ी चोटी पर यह लाल झंडी लगी है, उसके दूसरी तरफ ही सतोपंथ का पवित्र ताल है. सतोपंथ वह स्थान है, जहां पांडवों में सबसे शक्तिशाली भीम का देहावसान हुआ था. यहां के हरे रंग के पानी के ताल में स्नान कर यात्री स्वयं को सौभाग्यशाली समझते हैं. अधिकतर यात्री यहीं से वापस लौट आते हैं, लेकिन कुछ यहां से करीब दो किलोमीटर आगे स्वर्गरोहिणी तक भी जाते हैं. हालांकि यह रास्ता बहुत दुर्गम है. इस रास्ते में आप चंद्र कुंड, सूर्य कुंड और विष्णु कुंड के दर्शन करते हुए स्वर्गरोहिणी की उन सीढ़ियों तक पहुंचते हैं, जहां से केवल युधिष्ठिर ही सशरीर अपने कुत्ते के साथ स्वर्ग जा सके थे. यहां तीन–चार सीढ़ियां दिखाई देती हैं और ऐसा माना जाता है कि यही सीढ़ियां स्वर्ग की ओर जाती हैं.

कोरोना संक्रमण की रफ्तार में आयी कमी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लाकडाउन का कड़ाई से अनुपालन कराने के परिणामस्वरूप कोरोना संक्रमण की रफ्तार में कमी आयी है वहीं बेहतर चिकित्सा सुविधाओं से संक्रमण से निजात पाने वालों की दर में उत्तरोत्तर बढ़ोतरी हो रही है। प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि कोरोना संक्रमण से उबरने वालों की दर करीब ४६ फीसदी हो चुकी है। सचिव ने कहा कि मंगलवार सुबह तक प्रदेश के ६६ जिलों में कोरोना संक्रमण के १७७४ मामले एक्टिव थे जबकि अब तक १७५६ मरीज पूरी तरह से उपचारित हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि अब तक प्रदेश के ७४ जिलों से ३६१४ कोरोना पॉजिटिव के मामले सामने आए हैं। अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि आरोग्य सेतु अलर्ट जनरेट होने पर २७२२ लोगों को कन्ट्रोल रूम से कॉल किया गया और पॉजीटिव पाये गये १० लोगों का उपचार किया जा रहा है।

वित्त मंत्री ने दिया आर्थिक पैकेज का ब्योरा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को २० लाख करोड़ रुपए के जिस आर्थिक पैकेज का ऐलान किया था, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को उसका ब्योरा देना शुरू कर दिया। पहले दिन उन्होंने अलग अलग सेक्टर के लिए १५ छोटी–बड़ी घोषणाएं कीं। वित्त मंत्री ने बताया कि छोटे व मझोले उद्यम यानी एमएसएमई सेक्टर के लिए तीन लाख करोड़ रुपए के कर्ज का प्रावधान किया गया है, जो वे बिना किसी गारंटी के ले सकते हैं। ४५ लाख इकाइयों को इसका लाभ मिलेगा। वित्त मंत्री ने आय कर रिटर्न जमा करने की अंतिम तिथि ३० नवंबर तक बढ़ा दी है और पावर सेक्टर के लिए पैकेज की घोषणा की है। वित्त मंत्री ने बुधवार को कुल १५ घोषणाएं कीं। इनमें से छह घोषणाएं छोटे व मझले उद्यमों के लिए हैं और तीन घोषणाएं टैक्स से जुड़ी हैं। इसके अलावा कर्मचारी भविष्य निधि, ईपीएफ को लेकर भी उन्होंने घोषणा की है और गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के लिए भी ऐलान किया है। ऊर्जा सेक्टर और रियल एस्टेट सेक्टर के लिए भी पैकेज का ऐलान किया गया है। वित्त मंत्री ने बुधवार की प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि वित्तीय वर्ष २०१९–२०२० के लिए आय कर रिटर्न दाखिल करने की आखिरी तारीख ३१ जुलाई से बढ़ा कर ३० नवंबर कर दी गई है। टैक्स ऑडिट की आखिरी तारीख भी ३० सितंबर से बढ़ा कर ३१ अक्टूबर की गई है। वित्त मंत्री ने

ऐलान किया है कि वेतन से अलग होने वाले दूसरे भुगतान में टीडीएस काटने में २५ फीसदी की कमी की जाएगी। इससे करदाताओं पर ५० हजार करोड़ रुपए का भार कम पड़ेगा। टीडीएस की नई दर १४ मई से ही लागू हो जाएगी। रियल एस्टेट सेक्टर को राहत देते हुए वित्त मंत्री ने कहा है कि जिनके प्रोजेक्ट २५ मार्च या उसके बाद पूरे होने थे उनकी प्रोजेक्ट की रजिस्ट्रेशन और कम्प्लीशन की टाइमलाइन अपने आप ही छह महीने के लिए बढ़ जाएगी। किसी को भी इसके लिए अलग से आवेदन देने की जरूरत नहीं होगी। एमएसएमई सेक्टर के लिए वित्त मंत्री ने तीन लाख करोड़ रुपए की कर्ज सुविधा का ऐलान किया। यह कोलैटरल फ्री ऑटोमैटिक लोन होगा। यानी इसके बदले में उद्यमों को गारंटी नहीं देनी होगी। गारंटी फीस भी नहीं लगेगी। यह कर्ज चार साल के लिए होगा। कर्ज की मूल रकम चुकाने के लिए १२ महीने की राहत मिलेगी। इसके अलावा वित्त मंत्री ने एक बड़ी घोषणा यह की है कि दो सौ करोड़ रुपए तक की सरकारी खरीद के लिए ग्लोबल टेंडर जारी नहीं किया जाएगा। यह स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिए किया गया है। यह भी ऐलान किया गया है कि सरकार और सरकारी उद्यम अगले ४५ दिन में एमएसएमई के सभी बकाए का भुगतान कर देंगे। गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के लिए ३० हजार करोड़ रुपए की एक विशेष योजना की भी घोषणा की गई है।

यह कैसा आर्थिक पैकेज : चिदंबरम

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने केंद्र सरकार की ओर से जारी आर्थिक पैकेज पर सवाल उठाए हैं और कहा है कि गरीबों,

किसानों और मजदूरों के लिए इस पैकेज में कुछ भी नहीं है। बुधवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पैकेज की घोषणा करने के तुरंत बाद प्रतिक्रिया देते हुए चिदंबरम ने कहा– वित्त मंत्री ने आज जो भी कहा उसमें लाखों गरीबों, भूखे प्रवासी मजदूरों के लिए कुछ भी नहीं है। वे अभी भी अपने राज्यों में पैदल वापस जा रहे हैं। चिदंबरम ने कहा– इस भाषण से उन लोगों को बड़ा झटका लगा है, जो रोज मेहनत करके कमाते हैं। निचले तबके की आधी आबादी तक नकद ट्रांसफर का भी कोई माध्यम नहीं है। १३ करोड़ परिवारों को बेसहारा छोड़ दिया गया है। उधर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि लोगों को राहत की उम्मीद थी मगर केंद्र का विशेष आर्थिक पैकेज एक 'बिग जीरो' है। इसमें राज्यों के लिए कुछ भी नहीं है। इससे पहले पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने बुधवार सुबह केंद्र सरकार के २० लाख करोड़ रुपए के राहत पैकेज पर कहा था– प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमें हेडलाइन और ब्लैंक पेज दिया है। अब देखना होगा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण उस ब्लैंक पेज को कैसे भरती हैं। हम हर उस अतिरिक्त रुपए पर नजर रख रहे हैं, जो अर्थव्यवस्था में डाला जाएगा।

आर्थिक पैकेज से गरीब के हिस्से कुछ नहीं आया : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जो आर्थिक पैकज घोषित किया है उसमें सामान्य आदमी की अनदेखी हुई है और देश का गरीब, किसान, कामगार, मजदूर, श्रमिक इस घोषणा से निराश है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व वित्त मंत्री पी चिदम्बरम तथा पार्टी संचार विभाग के प्रमुख रणदीप सिंह सुरजेवाला ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी ने कल देर रात कोरोना संकट के बीच २० लाख करोड़ रुपये का पैकेज देने की घोषणा की है लेकिन इसमें आम आदमी के लिए कोई मदद नहीं है। इस पैकेज में गरीब, मजदूर, अपने घर लौटने के लिए परेशान प्रवासी मजदूरों और अन्य कामगारों को कुछ नही दिया है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा संकट काम नही होने के कारण पैदल अपने घर जाने को विवश प्रवासी श्रमिको का है जिनको घर भेजने, भोजन देने तथा उनके खातों में नकद राशि जमा करने पर विचार नही किया गया है। इस पैकेज में इस तबके के हिस्से कुछ नहीं गया है। किसान का और बुरा हाल है क्योंकि उसको एक तरफ बेमौसमी बारिश से आसमान रुला रहा है और दूसरी तरफ सरकार उनकी अनदेखी कर रही है। कांग्रेस नेताओं ने छोटे, लघु एवं मझौले उद्योगो के लिए आर्थिक पैकेज देने जा स्वागत किया लेकिन कहा कि देश मे छह करोड़ ३० लाख छोटे लघु मध्यम उद्योग है जिनमें सिर्फ ५४५ लाख को ही लाभ दिया गया है। उनका कहना था कि उनके लिए कर्ज लेने का रास्ता तो खोल दिया है लेकिन उनके काम को गति कैसे मिले इसका कोई प्रयास नही हुआ है।

लॉकडाउन 4.0 पर चर्चा के लिए पीएम मोदी ने की बैठक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेगा २० लाख करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज की घोषणा करने के एक दिन बाद आज एक और महत्वपूर्ण कार्य में व्यस्त हैं। मोदी लकडाउन ४.० से पहले नियमों, तौर–तरीकों पर चर्चा करने के लिए कोविड–१९ पर सचिवों के एक उच्चस्तरीय समूह की बैठक कर रहे हैं, जो (लॉकडाउन ४.०) १८ मई से शुरू होगा। मंगलवार को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि लॉकडाउन ४.० के लिए पूरी तरह से नए मानदंड स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा था कि १८ मई से पहले मानदंडों को सार्वजनिक कर दिया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि सरकार मुख्य रूप से उद्योगों खासकर छोटे और

मध्यम उद्योगों को फिर से शुरू करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के चौथे चरण के लिए अधिकार प्राप्त समिति जल्द ही नए नियमों के सेट को फिर से परिभाषित करेगी। नए मानदंडों को जारी करने से पहले विभिन्न मुख्यमंत्रियों के इनपुट, सुझावों पर भी विचार किया जाएगा। मोदी सरकार ने कोविड–१९ महामारी के लिए एक व्यापक और एकीकृत प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए ११ अधिकार प्राप्त समूह बनाए हैं। इन समूहों को आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत स्थापित किया गया है।अधिकारियों के अनुसार, प्रत्येक समूह के पास पीएमओ और कैबिनेट सचिवालय के एक वरिष्ठ प्रतिनिधि हैं जो सहज समन्वय सुनिश्चित करते हैं। समूहों को योजना तैयार करने और उनके समयबद्ध कार्यान्वयन के लिए सभी कदम उठाने का अधिकार दिया गया है।

मोदी ने की सीतारमण की घोषणाओं की सराहना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उद्योगों विशेषकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) की दिक्कतों को दूर करने के लिए जो घोषणाएं की हैं वह इनसे निपटने में बड़ा कदम साबित होगा। मोदी ने कल कोरोना वायरस के कारण पूर्णबंदी से ठहर गई अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए २० लाख करोड रुपये के आर्थिक पैकेज का ऐलान किया था। पैकेज के पहले चरण का आज विवरण देते हुए श्रीमती सीतारमण ने एमएसएमई को तीन लाख रुपये का गिरवीरहित रिण और क्षेत्र को फिर पुर्नभाषित किया है। मोदी ने कहा आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत विशेषकर एमएसएमई क्षेत्र में बडा मार्ग प्रशस्त करेगा। आज जिन कदमों का ऐलान किया गया है वह तरलता बढाने, उद्यमियों को उनकी प्रतिस्पर्धी भावना को और सशक्त करेगा।

कैंटीन में सिर्फ स्वदेशी बिकेगा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वदेशी अपनाने की बात कही और उसके अगले दिन केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आदेश दिया कि अब अर्धसैनिक बलों की कैंटीन में सिर्फ स्वदेशी वस्तुओं की बिक्री होगी। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री ने मंगलवार को लोगों से लोकल के लिए वोकल होने की अपील की थी। प्रधानमंत्री की अपील के अगले दिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीआरपीएफ और सीमा सुरक्षा बल, बीएसएफ जैसे केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, सीएपीएफ की सभी कैंटीनों में एक जून से सिर्फ स्वदेशी उत्पादों की ही बिक्री होगी। शाह ने कहा कि सीएपीएफ के करीब १० लाख जवानों के परिवार के ५० लाख सदस्यों के लिए स्वदेशी उत्पादों की बिक्री की जाएगी। शाह ने एक के बाद एक कई ट्विट किए

और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को आत्मनिर्भर बनाने और भारत में बने उत्पाद उपयोग करने की अपील की, जिसके बाद गृह मंत्रालय ने यह फैसला किया है। अमित शाह ने देश के लोगों से देश में बने उत्पादों का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने और लोगों को भी ऐसा ही करने के लिए प्रेरित करने की अपील की। उन्होंने कहा– गृह मंत्रालय ने यह निर्णय लिया है कि सभी सीएपीएफ की कैंटीनों पर अब सिर्फ स्वदेशी उत्पादों की ही बिक्री होगी। यह एक जून २०२० से देश भर की सभी सीएपीएफ कैंटीनों पर लागू होगा। इससे लगभग १० लाख सीएपीएफ कर्मियों के ५० लाख परिजन स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करेंगे। सीएपीएफ में सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, एनएसजी और असम रायफल्स आते हैं और इनकी कैंटीनों में हर साल २८ सौ करोड़ रुपए मूल्य के उत्पादों की बिक्री होती है।

घर के लोन की ब्याज दर को शून्य कर दिया जाए : प्रियंका

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर कहा कि महामारी के समय आर्थिक संकट से जूझ रहे लोगों के घर के लोन पर लगने वाली ब्याज दर को शून्य कर दिया जाए और किस्त (इएमआई) जमा करने की बाध्यता को अगले ६ माह तक स्थागित किया जाना चाहिए। प्रियंका ने लिखा कि आर्थिक संकट के समय जब एक तरफ छंटनी हो रही है और वेतनों में कटौती हो रही है, मध्य वर्ग के लिए घर के लोन की ईएमआई चुकाना एक बड़ी चुनौती बन गया है। ऐसे में मेरा सुझाव है कि घर के लोन पर लगने वाली ब्याज दर को शून्य करके किस्त (इएमआई) जमा करने की बाध्यता को अगले छः महीनों के लिए स्थगित किया जाए। उन्होंने लिखा, "शिक्षा और घर के लोन का खर्च मध्य वर्ग की आर्थिक बुनावट का एक बड़ा हिस्सा होता है। आपको ज्ञात है कि मध्य वर्ग इस आर्थिक संकट से कितना प्रभावित है। ऐसे में प्राइवेट स्कूलों की फीस माफी की घोषणा उनके लिए एक बड़ी राहत होगी।" उन्होंने कहा कि किसानों के लिए बिजली की बढ़ी हुई दरें चिंता का विषय बनी हुई हैं। मेरा सुझाव है कि किसानों के चार महीनों के ट्यूबवेल तथा घर के बिजली बिल माफ हों। उनके बकाया बिजली बिलों पर भी पेनल्टी व ब्याज माफ किया जाए। उन्होंने आगे लिखा है कि किसानों के लोन पर भी चार महीने का ब्याज माफ हो। उनके किसान क्रेडिट कार्ड तथा अन्य लोन पर कटी हुई आर–सी पर तुरंत रोक लगायी जाए और उस पर भी पेनल्टी और ब्याज माफ किया

जाए। जगह जगह से फसलों की खरीद में आ रही समस्या पर प्रियंका गांधी ने पत्र में मांग की है कि किसानों की सम्पूर्ण फसल खरीदने की गारंटी की जाए। गन्ना सहित सारे भुगतान तुरंत किए जाए। उन्होंने कहा, "शिक्षा मित्र, आशा बहनें, आंगनबाड़ी कर्मी, रोजगार सेवक,पंचायत मित्र व अन्य संविदा कर्मी जो कोरोना संकट में हर स्तर पर अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं और स्थानीय प्रशासन के साथ सरकार के निर्देशों का पालन करवाने में जी–जान से लगे हैं। इनकी सेवाओं को देखते हुए एक प्रोत्साहन राशि दी जाए और एक महीने की सैलरी बोनस के रूप में दी जाए।" प्रियंका गांधी ने कहा, "छोटे मंझोलों उद्योगों का बैंक लोन माफ किया जाए। लोन माफी के फैसले से ये दिवालिया होने से बच जाएंगे। इनके बिजली के बकाया बिलों पर भी उदारतापूर्वक विचार कर उन्हें राहत देने की घोषणा की जाए। बुनकरों के बिजली के बिल माफ किया हो और प्रत्येक बुनकर परिवार को प्रतिमाह १२ हजार रुपया क्षतिपूर्ति राशि दिया जाए।" उन्होंने आगे पत्र में लिखा है कालीन कारोबारियों और कारीगरों को आर्थिक मदद की सख्त जरूरत है। इनके बैंक कर्ज माफ किये जायें। उन्होंने मुख्यमंत्री को सुझाव दिया है कि चिकन उद्योग में लगे हर परिवार को न्यूनतम १२ हजार रुपया प्रतिमाह दिया ताकि वे जीवन–यापन कर सकें। महासचिव ने सुझाव दिया है कि प्रत्येक पोल्ट्री कारोबारियों को प्रति मुर्गी १०० रुपया का आर्थिक सहयोग किया जाए। कांग्रेस की महासचिव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पिता के मृत्यु पर अपनी शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने लिखा है कि आपके पिता

उत्तर प्रदेश में संक्रमित मरीजों की कुल संख्या 3664

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस का खतरा कम होने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार को आगरा में २४, लखनऊ में ४, गौतमबुद्ध नगर में ७ और कानपुर में ५ नए मरीजों के साथ एक दिन में नए मरीजों की संख्या ११२ हो गई। प्रदेश में संक्रमित मरीजों की कुल संख्या ३६६४ तक पहुंच गई है। अब तक १८७३ लोगों को अस्पतालों से डिस्चार्ज कर घर भेज दिया गया है। प्रदेश में कोरोना संक्रमण से अब तक ८२ लोगों की मौत हो गई है। संक्रमित १८७३ लोग स्वास्थ्य होकर घर जा चुके हैं। प्रमुख सचिव (स्वास्थ्य) अमित मोहन प्रसाद ने कहा कि सोमवार की शाम को यह पहली बार हुआ कि प्रदेश में एक्टिव केस कम है और ठीक होने वाले मरीजों की संख्या अधिक है। उन्होंने बताया कि सोमवार को कोरोना के ४७५४ सैंपलों की टेस्टिंग की गई है। प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण के सर्विलांस में ७० हजार १२६ टीम लगी रहीं। इन टीमों ने ५८ लाख ५३ हजार ५७० घरों तक पहुंचकर २ करोड़ ६० लाख ६६ हजार ७४४ लोगों की जांच भी की गई। संक्रामक रोग विभाग के संयुक्त निदेशक डा. विकासेंदु अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश के आगरा में अब तक ७६४, लखनऊ में २४६, गाजियाबाद में १४७, नोएडा में २३५, लखीमपुर खीरी में ५, कानपुर में ३०७, पीलीभीत में ४, मुरादाबाद में १२८, वाराणसी में ८७, शामली में ३२, जौनपुर में ११, बागपत में २५, मेरठ में २६७, बरेली में ११, बुलंदशहर में ७५, बस्ती में ४१, हापुड़ में ५८, गाजीपुर में ८, आजमगढ़ में ६, फिरोजाबाद में १६४, हरदोई में ४, प्रतापगढ़ में १५, सहारनपुर में १६२, शाहजहांपुर में १, बांदा में २१, महाराजगंज में ८, हाथरस में १६, मिर्जापुर में ७, रायबरेली में ४६, औरैया में १६, बाराबंकी में ७, कौशांबी में २, बिजनौर में ४४, सीतापुर में २६, प्रयागराज में १६ और मथुरा में ५६ लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं।इसी तरह बदायूं में १७, रामपुर में ३१, मुजफ्फरनगर में २६, अमरोहा में ३२, भदोही में ३, इटावा में २, कासगंज में ६, संभल में ३०, उन्नाव में ५, कन्नौज में १६, संत कबीर नगर में ३१, मैनपुरी में १३, गोंडा में २१, मऊ में १, एटा में ११, सुल्तानपुर में ५, अलीगढ़ में ६०, श्रावस्ती में १२, बहराइच में २६, बलरामपुर में २, अयोध्या में १, जलौन में ३७, झांसी में २६, गोरखपुर में ४, कानपुर देहात में ४, सिद्धार्थनगर में २४, देवरिया में ३, महोबा में २, कुशीनगर में २, अमेठी में ११, चित्रकूट में ८, फतेहपुर में ५, हमीरपुर में १, ललितपुर में १, सोनभद्र में १, फरु खाबाद में ८, बलिया में १, अंबेडकर नगर में २ लोग कोरोना पॉजिटिव मिले हैं।

छह वर्षीय बच्चे ने मुख्यमंत्री राहत कोष में ५१०० रूपए जमा किया

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच में पॉकेट मनी का गुल्लक तोड़कर छह वर्षीय बच्चे ने मुख्यमंत्री राहत कोष में ५१०० रूपए जमा कराने के लिये उप जिला अधिकारी को सौंपे। कोविड–१९ वैश्विक महामारी की रोकथाम के लिए बड़े–बड़े उद्योगपति, अधिकारी, कर्मचारी तथा नेता मुख्यमंत्री राहत कोष में सहायता राशि जमा करने वालों से प्रभावित होकर बहराइच के नानपारा क्षेत्र निवासी यू.के.जी. में पढ़ने वाले एक छह वर्षीय बालक ओवैस अदनान ने अपना गुल्लक तोड़कर उसमें इकट्ठा किए ५१०० रुपए, मुख्यमंत्री राहत कोष अकाउंट के नाम ड्राफ्ट बनवा कर नानपारा उप जिला अधिकारी राम आसरे वर्मा को सौंपा है। नानपारा में एक अखबार में पत्रकारिकता करने वाले पिता शकील अंसारी के बेटे ओवेश अदनान ने पत्रकारों के सवालों का बेबाकी से जवाब देते हुए बताया कि उसने काफी दिनों से ईद के लिए गुल्लक में पैसे इकट्ठा किए थे। देश में बीमारी फैल रही है, लोग परेशान हैं, इसलिए वो अपना पैसा, गरीबों की मदद के लिए दे रहा है। उसने कहा कि अब ईद नहीं मनाएगा। दुआ करेगा कि देश से बीमारी समाप्त हो इसके बाद ही वह त्यौहार मनाएगा। उसने बताया," पापा को जरूरतमंदों ओर परेशान लोगों की मदद करते देखा तो मेरे मन भी भाव आया कि में भी कुछ करूं। मैं क्या करता, मेरे पास गुल्लक में जो पैसा इकट्ठा किया था, वही तोड़कर मुख्यमंत्री राहत कोष में सहातार्थ दे दिया।"

शिवा पर्यावरण संस्था मास्क बनाने में जुटी

शिकोहाबाद। बढ़ते हुए कोरोनावायरस से बचाव के लिए 'शिवा पर्यावरण कृषि एवं महिला

उत्थान सेवा समिति मानवीय सेवा में समर्पित' अपने ही सिलाई केंद्र में संस्था सचिव राम प्रकाश गुप्ता एवं सिलाई केंद्र के टेलर मास्टर प्रेम बाबू यादव कपडे के मास्क बनाने में जुट गये है। इस महामारी बीमारी से बचाव के लिए सभी व्यक्तियों के लिए मास्क लगाना अति आवश्यक है। इसके लिये संस्था द्वारा जल्द ही मास्क को सैनिटाइजर कर संस्था गरीबों और असहायों लोगों को मास्क वितरण करेंगी। इस मौके पर संस्था सचिव रामप्रकाश गुप्ता ने कहा कि पुष्पेंद्र प्रताप सिंह अध्यापक, नीरज राजपूत, दीपक शुक्ला, अशोक शुक्ला, गौरव गुप्ता, सचिन गुप्ता, आकाश गुप्ता, गगन गुप्ता, रिंकू यादव आदि लोग मास्क बाटने में सहयोग करेंगे।

शिकोहाबाद नगर में कल्पतरु ट्रस्ट महिला मण्डल ने मनाया मदर्स डे

शिकोहाबाद। कल्पतरु ट्रस्ट महिला मण्डल की सचिव सोनम बंसल ने संस्था के बच्चों के द्वारा

पोस्टर प्रातियोगता का आयोजन आनलाइन कराया। जिसमें १६ बच्चों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्र–छात्राओं में पलक खण्डेलवाल, सहज, प्रतीक्षा, उन्नति, समग्र, अर्चिका, अनिरुद्र, आदित्य, उत्कर्ष, अरव , ऐन्जल, दिशा भूमी, प्रशंसा, अविका, आरुस, वैशनवी, लवान्या आदि। प्रातियोगिताए आँनलाइन द्वारा कराई गयी। जिस मे महिला मण्डल की सभी सदस्यों ने सहयोग किया। जिनमें सहयोगी सदस्य शोभा खण्डेलवाल, नीता, सरिका, पल्लवी,सोनिका, किशोरी, शालिनी, अन्जू,रेनू, बबली ,प्रतिभा ,सध्या, श्वेता, सुनीता, सरिता, वीना, रिंकी, नीतू, खुशी, कविता, नीतू, श्वेता सोनी, मोनिका, नम्रता मौजूद रही। प्रतियोगिता के बाद सभी बच्चों को गिफ्ट दिये जायेंगे। इस प्रतियोगिता की कल्पतरु ट्रस्ट के संस्थापक कृष्ण कुमार खण्डेलवाल ने कल्पतरु महिला मण्डल बहुत सराहना की। इस मौके पर संस्थापक ने कहा कि इस लॉक डाउन मे भी मदर्स डे पर ऑनलाइन प्रतियोगिता कराई। जिसके लिये महिला मण्डल का बहुत बहुत बधाई।

स्टेयरिंग फेल होने से ट्रैक्टर ट्राली पलटी

निघासन खीरी। गांव रकेहटी निवासी सन्तू जायसवाल जो की अपने ट्रैक्टर ट्राली से महुआ सेंटर पर गन्ना तुलवाने के लिये जा रहे थे अचानक ट्रैक्टर की स्टेरिंग फैल होने से ट्रैक्टर ट्राली पलट गया। जिससे सन्तू जायसवाल के दोनों पैर गम्भीर रूप से घायल हो गये। आनन फानन में उनको सीएचसी ले जाया गया जहाँ उनको जिला अस्पताल के लिये रेफर कर दिया गया।

कोरोना वायरस से बचने के लिए पेंटिंग बनाई

कृष्ण कुमार शुक्ला

मोहम्मदी–खीरी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महाविद्यालय कार्य विभाग द्वारा कोरोना जागरूकता अभियान में रामलीला चौराहे पर कोरोना वायरस से बचने के लिए संदेश देती हुई पेंटिंग बनाई गई, जिसमें आरोग्य सेतु ऐप का इस्तेमाल करने, मास्क पहनने आदि करोना वायरस के संबंध मे जरूरी बातों का ध्यान रखने को लेकर पेंटिंग सम्मिलित हैं। इन पेंटिंग्स के माध्यम से कोरोना से आम जनमानस के मध्य जागरूकता लाने व सामाजिक दूरी का अनुपालन करते हुए अपने परिवार समाज देश एवं स्वयं का ध्यान रखने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवक संघ के जिला संचालक अमित भसीन, संघ प्रचारक शिव प्रकाश, अजय कटिहार, नगर पालिका अध्यक्ष संदीप मेहरोत्रा, मनीष राठौर, अमन चौहान, योगेंद्र मिश्रा, अखिल तिवारी व अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डॉक्टरी कराने के लिए पैसे मांगने का आरोप

लखीमपुर खीरी। सरकार गरीबों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं से लैस चिकित्सालयों की स्थापना करवा रही है परन्तु सरकारी कारिन्दे सरकारी मंशा को धूल धूसरित करने पर तुले हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार थाना मितौली क्षेत्र के ग्राम कस्ता में गत शाम नंदलाल धोबी की पत्नी को परिवार के ही लोगों ने मारा पीटा था जिससे उसके हाथ में गंभीर चोट आई थी जब वह थाने से डक्टरी परीक्षण कराने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मितौली गई तब उससे बारह सौ रुपया डक्टरी कराने के लिए मांगा गया इस प्रकार गरीबों का शोषण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मितौली में किया जा रहा है जो कि किसी से छिपा नहीं है जिसको जितनी भर्त्सना की जाए वह कम है क्या उच्चाधिकारी इस बात को संज्ञान में लेंगे आखिर गरीब का इलाज सरकारी चिकित्सालयों में होगा या नहीं उक्त महिला कस्ता चौराहे पर कपड़े प्रेस कर कर के अपना जीवन यापन कर रही है।

स्वास्थ्य संकेतकों में यूपी में टाप टेन में पहुंचा खीरी

लखीमपुर खीरी। कोरोना महामारी के इस दौर में व जनपद की भौगोलिक विषमताओं के बावजूद जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा जारी हेल्थ डैशबोर्ड पोर्टल पर अंकित संकेतकों के आधार पर जनपद खीरी मण्डल में प्रथम एवं प्रदेश में आठवें स्थान पर रहा। बताते चले कि उत्तर प्रदेश सरकार के यूपी हेल्थ डैश बोर्ड के अनुसार जिला खीरी में प्रशासन एवं स्वास्थ्य महकमें के अथक प्रयासों के चलते स्वास्थ्य संकेतकों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इस पोर्टल पर प्रतिरक्षण, प्रसव पूर्व गर्भवती महिला जांच, संस्थागत प्रसव सहित १८ स्वास्थ्य सूचकांक के आधार पर जनपदों की रैंकिंग की जाती है। इस रैंकिंग के आधार पर जनपद खीरी प्रदेश में आठवें स्थान पर रहा। बताते चले कि खीरी जनपद प्रसव पूर्व जांच (हीमोग्लोबिन के साथ) के १०० प्रतिशत, संस्थागत प्रसव में ७५.४६ प्रतिशत, ग्रह आधारित प्रसव भ्रमण में ६२.४४ प्रतिशत, पूर्ण प्रतिरक्षण में ६४.८६ प्रतिशत तथा प्रति आशा प्रोत्साहन राशि भुगतान में ८६४६.४२ रूपये के साथ अन्य संकेतकों में भी अच्छा परिणाम प्राप्त किया है, वही जनपद का स्टिल बर्थ रेट घटकर १४.३० प्रतिशत हो गया है जो सुरक्षित प्रसव हेतु उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की सफलता को प्रदर्शित करता है। जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि हमें इस परिणाम से संतुष्ट नही होना है बल्कि और बेहतर परिणाम देना है।

अवैध रूप से पीडब्ल्यूडी की सरकारी जमीन पर कब्जा

सिंगाही/निघासन–खीरी। सिगाही कस्बे में भेरौड़ा रोड स्थित बेशकीमती खाली पड़ी पीडब्ल्यूडी की सरकारी जमीनों पर लॉक डाउन का फायदा उठाकर अवैध रूप से कब्जा किया जा रहा है। पहले तो केवल सरकारी जमीनों पर अवैध रूप से ज्यादातर दुकानदारों के द्वारा कब्जा किया जाता था। लेकिन अब अतिक्रमणकारियों का हौसला इतना बुलंद हो गया है कि वे अवैध रूप से पीडब्ल्यूडी की सरकारी जमीन पर कब्जा कर दुकानें बनवाई जा रही हैं। बताते हैं कि जिसकी शिकायत के बाद भी प्रशासन का ध्यान इस ओर नहीं गया है।

सीजनल कर्मचारियों की कोरोना स्क्रीनिंग की जांच हुई

लखीमपुर खीरी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खमरिया में आज गोविंद शुगर मिल एरा खमरिया के सीजनल कर्मचारियों की कोरोना स्क्रीनिंग की जांच की गई। अधीक्षक डा० बी० के० स्नेही ने बताया कि १२२ कर्मचारियों में से करीबन १०७ कर्मचारियो की जांच आज की गईं। इनमें से अधिकांश पूर्वांचल क्षेत्र के है।जो मिल में काम करने आते है। ७ मई को मिल बन्द हो गई थी। जिस कारण अब सभी लोग घर जाने को बेताब है। मिल प्रबंधन के अनुरोध पर इन सभी की आज थर्मल स्केनिंग जांच की गई । सभी लोग स्वस्थय पाए गए। सभी लोगो को आगे की प्रोसेस के लिए जिले पर सन्दर्भित किया गया है जहाँ से इनके पास निर्गत होने के बाद इनको प्रशासन द्वारा इनके गाँवो में बसों द्वारा छुड़वाया जाएगा। इस दौरान डा एम एल सुमन, डा हसमत आरा ,डा एन के गुप्ता विजय कुमार योगाचार्य ,विकाश कुमार आदि उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त आज दो मोबाइल टीम डा इजहार आलम ,डा सादाब, डा आर बी गुप्ता और विजय कुमार ,अम्बुज वर्मा योगाचार्य ओर दीपक कुमार के साथ प्रवासियों की जांच करने परसिया, लाखुन, चौरा, सुर्जनपुर ,मुखलिसपुर, कटौली ओर मिदानिया आदि गांवो में गए और सभी की थर्मल स्केनिंग जांच की गई। सभी लोग स्वस्थ्य पाए गए और सभी को होम कोरेंटीएन कर दिया गया। क्षेत्रीय आशाओं के द्वारा घर घर विजिट की जा रही है और सभी प्रवासियों के घरों पर स्टीकर लगाए जा रहे है ओर उनकी निगरानी की जा रही है।

वरिष्ठ पत्रकार को नोटिस की धमकी में निन्दा का सिलसिला जारी

लखीमपुर खीरी। ऑल इंडिया स्माल एंड मीडियम न्यूज पेपर्स एसोसिएशन लखीमपुर की सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए हुई बैठक में जिलाध्यक्ष सत्यदेव श्रीवास्तव व संरक्षक रमेश चंद्र मिश्रा ने भाग लिया एसोसिएशन जिले के वरिष्ठ पत्रकार एनके मिश्रा के खिलाफ वेदांता पैथोलजी के डॉक्टर द्वारा नोटिस देने की धमकी से पत्रकार जगत में रोष है तथा इसे पत्रकारिता के खिलाफ बताया गया है एसोसिएशन ने कहा यह जरूरत पड़ी तो पत्रकार श्री मिश्रा के साथ लामबंद होंगे बैठक में राजेंद्र श्रीवास्तव समेत अन्य पत्रकारों ने भाग लिया। मोहम्मदी खीरी। युवा प्रेस क्लब की एक आवश्यक बैठक वरिष्ठ 'क्लब के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमल गुप्ता के आवास पर क्लब के अध्यक्ष मोहम्मद अब्बास नकवी की अध्यक्षता में हुई जिसमें जिले के वरिष्ठ पत्रकार नंद कुमार मिश्रा को एक पैथोलजी द्वारा अपमानित करने का प्रयास किया गया जिसमें सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने कठोर शब्दों में निंदा की है तथा निंदा प्रस्ताव पास कर जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक से ऐसे पैथोलजी संचालकों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है इस बैठक में प्रमुख रूप से सुखविंदर सिंह कमल गुप्ता रवि शुक्ला इरफान अहमद हरविंदर सिंह दिलीप शुक्ला, जियाउल्ला खां, देव रंजन मिश्रा, शावेज मुन्ना सिदाकत मसूरी,सुचित ठाकुर,मो.आरिफ, सहित सभी पत्रकार मौजूद रहे।

पत्रकार पर हुआ जानलेवा हमला

ओयल–लखीमपुर खीरी। नगर क्षेत्र के वायस आफ लखनऊ ओयल के संवाददाता कुलदीप सिंह उर्फ लल्लन पिछले एक दिवस पूर्व हफीज पुत्र नत्थू एवं ताहिर पुत्र नत्थू जो नाई का काम करता है वह खुलेआम लाकडाउन का न पालन करने के साथ साथ हेयर कटिंग का कार्य कर रहा था जिसकी सूचना निकटतम चौकी को दी थी जिसके पश्चात् प्रतिदिन उपरोक्त पत्रकार को रास्ते मे रोक कर हफीज पुत्र नत्थू एवं ताहिर पुत्र नत्थू गाली गलौज कर रहे थे। आज दोपहर करीब ११ बजे उपरोक्त हफीज पुत्र नत्थू एवं ताहिर पुत्र नत्थू व कैसर पत्नी नत्थू ने रोड पर पत्रकार कुलदीप सिंह को लाठी डंडो से मारा पीटा उपरोक्त प्रकरण में राजनीतिक षड्यंत्र के आधार पर पत्रकार पर जानलेवा हमला हुआ है जिससे समस्त पत्रकारों में रोष व्याप्त है। ज्ञात हो कि पत्रकार की मीडिया में चल रही खबर–ओयल रिपोर्टिंग पुलिस चौकी क्षेत्र के अंतर्गत स्टेशन रोड पर स्थित इलाहाबाद बैंक के सामने नोवल कोरोना वायरस से बचाव के लिये प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ के आदेश को नियम कानुन को ताक पर रखकर नाई हाफिज पुत्र नत्थू कोरोना वायरस को बढावा दे कर खुले आम सार्वजनिक स्थान पर चला रह हेयर कटिंग सेलून सेन्टर की दुकान पत्रकारों के मना करने के बावजूद भी गुंडागर्दी के चलते सरे आम पत्रकारों के दी जा रही धमकियां इसी नाई का बडा भाई ताहिर पुत्र नत्थू द्वारा सरे आम कुलदीप सिंह को जान वा माल की हानी पहुँचा ने की धमकीयां दी जा रही हैं। जिसके सम्बन्ध में ओयल चौकी इंचार्ज राजबली सिंह को अवगत कराव दिया गया है पर प्रशासनिक कोई भी कार्य वाही करने मे शुन्य दिखाई दे रहे है जो कुछ सालों पुर्व इलाहाबाद बैंक के से एक बृद्धा से दस हजार रूपये लूट के मामले गिरफ्तार किया गया था और उस पर साइकिल चोरी से लेकर मोटर साइकिल चोरी मे कई बार अपराधिक मामले दर्ज है। गुंडा एक्ट के कई मुकदमे अंकित है इसी हाफिज पुत्र नत्थू के रिपोर्टिंग पुलिस चौकी मे बडे मोटे मोटे अक्षरों में अपराधिक सुची मे नाम दर्ज ओयल पुलिस को कई बार सुचना देने बावजूद निष्क्रियता दिखाई दे रही है निष्क्रियता दिखाई दे रही है कहीं ना कहीं ओयल पुलिस द्वारा अपराधियों को बढावा दिया जा रहा है यही अपराधी शराब पिकर लडाई झगड़ा मार पीट किया करता है–से नाराज दबंगों द्वारा घटना को अंजाम दिया गया बताया जाता है।

अस्पताल के क्वारिंटाइन सेंटर में अच्छा भोजन ना मिलने का अडियो वायरल

गर्भवती महिला ने लगाया आरोप

शिकोहाबाद। एक गर्भवती महिला द्वारा जिला संयुक्त चिकित्सालय में क्वारिंटाइन के दौरान उसे सही खाना एवं पानी की व्यवस्था न होने की महिला के किसी परिचित से हुई बातचीत का अडियो वायरल हो गया तथा मीडिया तक पहुंचा। ऑडियो वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया । उसको सोमवार शाम को कवारिंटाइन किया गया था। महिला का आरोप था कि उसे रात के समय अच्छा खाना नहीं मिला तथा सुबह भी नाश्ता एवं पानी की व्यवस्था सही ढंग से नहीं की गई, जबकि वह गर्भवती है। ऑडियो वायरल होने के बाद मामला सीएमओ तक पहुंचा। कुछ दिन पूर्व एक प्राइवेट लैब द्वारा उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव बताई थी, इसके बाद उसकी सरकारी लैब द्वारा कराई गई जांच में रिपोर्ट नेगेटिव निकली है। इधर जिला संयुक्त चिकित्सालय शिकोहाबाद की सीएमएस डॉक्टर एसएम गुप्ता ने बताया कि महिला द्वारा आरोप गलत है। महिला को सही समय पर भोजन एवं नाश्ता दिया जा रहा है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर रिपोर्ट बनाकर उच्चाधिकारियों को दे दी जाएगी। आरोप लगाने वाली महिला कुछ माह की गर्भवती है । सीएमएस के अनुसार आरोप लगाने वाली महिला होम क्वरेंटाइन होना चाहती है, इसी कारण वह आरोप लगाने में लगा रही। वहीं जब आरोप लगाने वाली महिला से बात की गई, तो उक्त महिला दोपहर के समय आने वाले खाने से संतुष्ट नजर आईं।

मुख्यमंत्री योगी ने औद्योगिक विकास को बढ़ावा दिये जाने के निर्देश दिये

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आर्थिक गतिविधियों की बहली के लिये औद्योगिक विकास को बढ़ावा दिये जाने के निर्देश दिये है। योगी ने बुधवार को लोक भवन में एक उच्च स्तरीय बैठक में लॉकडाउन व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वैश्विक महामारी को फैलने से रोकने के लिये लागू लॉकडाउन के कारण राज्य में आर्थिक गतिविधिया ठप पड़ी है। लोगों को रोजगार मुहैया कराने के लिये हमें उद्योगों को बहाल करना होगा। उन्होंने कहा कि आर्थिक गतिविधियों की बहाली के लिए औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना आवश्यक है। इसके लिए सेक्टोरल नीतियों का

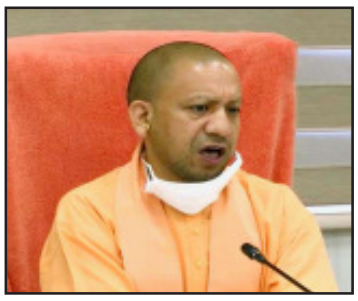

आवश्यकतानुसार सरलीकरण किया जाए। योगी ने कहा कि नए उद्योगों की स्थापना के लिए भूमि की पर्याप्त उपलब्धता आवश्यक है। इस उद्देश्य से राजस्व तथा औद्योगिक विकास विभाग लैण्ड बैंक स्थापना की कार्ययोजना बनाते हुए उसे लागू करने का काम करें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिक से अधिक मरीजों की जांच के लिये पूल टेस्टिंग में और अधिक वृद्धि किये जाने के निर्देश दिये है। योगी ने बुधवार को लोक भवन में एक उच्च स्तरीय बैठक में लॉकडाउन व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने कहा अधिक से अधिक जांच कराने के लिये पूल टेंस्टिग में वृद्धि की जाय। मुख्यमंत्री हेल्प लाइन के माध्यम से कोविड अस्पतालों के मरीजों के स्वास्थ्य लाभ की जानकारी प्राप्त की जाए।

पहले १५ लाख का झूठा वादा, अब २० लाख करोड़ का दावा कोई कैसे ऐतबार करे : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को प्रधानमंत्री द्वारा २० लाख करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज की घोषणा को लेकर तंज कसा। उन्होंने कहा कि पहले १५ लाख का झूठा वादा और अब २० लाख करोड़ का दावा इस पर कोई कैसे ऐतबार करेगा। अखिलेश यादव ने ट्विटर पर लिखा, "पहले १५ लाख का झूठा वादा और अब २० लाख करोड़ का दावा। अबकी बार लगभग १३३ करोड़ लोगों को १३३ गुना बड़े जुमले की मार। ऐ बाबू, कोई भला कैसे

करे ऐतबार। अब लोग ये नहीं पूछ रहे हैं कि २० लाख करोड़ में कितने जीरो होते हैं, बल्कि ये पूछ रहे हैं कि उसमें कितनी गोल–गोल गोली होती हैं। इससे पहले उन्होंने लिखा, "ये सच है कि बुनियाद कभी दिखती नहीं, पर ये नहीं कि उसे देखना भी नहीं चाहिए। जिन गरीबों के भरोसे की नींव पर आज सत्ता का इतना बड़ा महल खड़ा हुआ है, ऊंचाइयों पर पहुंचने के बाद, संकट के समय में भी उन गरीबों की अनदेखी करना अमानवीय है। ये सबका विश्वास के नारे के साथ विश्वासघात है।" इसके अलावा उन्होंने एक अन्य ट्वीट में लिखा कि "देश के मजदूर–गरीब अपनी विपदाओं के लिए प्रबंध की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन उन्हें सुनने को मिला केवल निर्थक निबंधन। क्या आधे घंटे से भी ज्यादा समय में सड़कों पर भटकते मजदूरों के लिए एक– आध शब्द की संवेदना की भी गुंजाइश नहीं थी, हर कोई सोचे। असंवेदनशील–दुर्भाग्यपूर्ण!"

बड़ी बहन होने का आनंद ले रहीं तापसी पन्नू

मुंबई। ऐसा लगता है कि अभिनेत्री तापसी पन्नू को अपनी छोटी बहनों को परेशान करना पसंद है। तापसी ने आज इंस्टाग्राम पर अपनी बहनों के साथ एक सुंदर तस्वीर अपलोड की। इसके साथ ही अभिनेत्री ने सबसे

बड़ी बहन होने के फायदे और आनंद के बारे में भी बताया। अभिनेत्री ने तस्वीर के साथ पोस्ट में लिखा, वह दिन जब मैंने इन्हें मुझे राखी बांधने के लिए मजबूर किया, आखिर रक्षा तो मैं भी कर रही हूं न। उन्होंने आगे लिखा, सबसे बड़ी बहन होने के पर्क्स हैं, आपके पास रिमोट, पानी और नूडल लाने के लिए मीनियंस भी हैं। तापसी के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए तापसी की बहन शगुन ने कमेंट किया, कृपया मेरी गंदी तस्वीर पोस्ट करना बंद करो।

गोविंदा को पसंद आया विनय आनंद का नया अलबम

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा को अपने भांजे विनय आनंद का नया अलबम बेहद पसंद आया है। गोविंदा के भांजे विनय आनंद और सिंगर देवी का नया अलबम 'सईंया बनाद बेबी डॉल हो' यूट्यूब पर हो रहा वायरल है। यह अलबम कुछ दिनों पहले ही फ्लाइंगॉहर्स म्यूजिक इंटरटेंमेंट पर रिलीज हुआ था, जिसमें विनय आनंद की भी भागीदारी है। विनय ने बताया कि वे अपने सक्सेस से खुश हैं और खासकर देवी को धन्यवाद देना चाहते हैं, जिन्होंने फ्लाइंग हॉर्स म्यूजिक इंटरटेंमेंट के लिए अपनी आवाज दी। उन्होंने बताया कि कुछ महीने पहले जब यह गाना तैयार हो रहा था, तब उन्होंने इसे अपने मामा गोविंदा को सुनाया था। गाना सुनाने का मकसद ये भी था कि इस गाने में उनके नाम का भी जिक्र हुआ है। गाना सुनकर गोविंदा ने उन्हें शाबासी दी और कहा कि वह उनका नाम ले सकते हैं। यह उनका हक है। साथ ही उन्होंने इस गाने के लिए शुभकामनाएं भी दी। विनय आनंद ने बताया कि इस गाने के सक्सेस के बाद वे देवी के साथ कई और नए अलबम लेकर आने वाले हैं। उनकी इच्छा है कि वे फ्लाइंग हर्स म्यूजिक इंटरटेंमेंट से भोजपुरी के दूसरे सुपर स्टार सिंगर पवन सिंह, खेसारीलाल यादव, दिनेशलाल यादव निरहुआ और मनोज तिवारी जैसे लोगों को भी जोड़े।

टायर फटने से पलटा ट्रक, भयानक हादसा होने से टला

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर भीरा हाईवे पर सुबह लगभग ६: ३० बजे प्याज से लदी एक ट्रक का टायर

अचानक फट गया और ट्रक एक पेड़ से जा टकराई जिसमें चालक और उसका सहयोगी गंभीर रूप से घायल हो गए घटना सवेरे तड़के की होने के कारण ज्यादा ट्रैफिक ना होने से गंभीर दुर्घटना होने से टल गयी और वाहन की स्पीड भी कम बताई जा रही है नहीं तो हादसा और भयावह हो सकता था पूरी घटना के अनुसार लखीमपुर की ओर जा रही ट्रक जो की ट्रक का नंबर एमपी का है इसके चालक जहांपुर के निवासी राजेंद्र कुमार पुत्र मनोहर लाल तरुण कुमार पुत्र जगदीश कुमार सुबह उठकर प्याज से लदी गाड़ी को लेकर लखीमपुर की ओर जा रहे तभी कुछ दूरी पर दाउदपुर के पास गाड़ी का अगला टायर फटने से गाड़ी असंतुलित होकर पेड़ से जा टकराई और यह हादसा हो गया हादसा बहुत ही गंभीर था लेकिन किसी की जान नहीं गई घायल व्यक्ति के गंभीर हालत को देखकर जिला अस्पताल भिजवाया गया।

प्राथमिक स्कूलों में ६९ हजार सहायक अध्यापक भर्ती का शेड्यूल जारी

लखनऊ। बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से संचालित प्राथमिक स्कूलों में होने जा रही ६९ हजार सहायक अध्यापक भर्ती का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। इस संबंध में बेसिक शिक्षा विशेष सचिव शासन आंनद कुमार की ओर से आदेश भी जारी कर दिया गया है। बेसिक शिक्षा निदेशक को जारी आदेश के मुताबिक पांच तिथियों में प्रक्रिया पूरी होगी। १७ मई को प्रकाशित होगी विज्ञाप्ति १८ मई से शुरू होंगे आवेदन २६ मई होगी आवेदन की अंतिम तिथि २७ से ३१ मई को होगी आवेदन पत्रों की जांच ३ से ६ जून होगी जिलेवार काउंसलिंग।

कोविड–१९ पर बनी फिल्म रिलीज

मुंबई। वैश्विक महामारी कोविड–१९ पर बनी शॉर्ट फिल्म सी प्लस रिलीज हो गयी है। पूरी दुनिया में कोविड–१९ का कहर जारी है। सोशल मीडिया पर कोविड–१९

पर बनी एक शॉर्ट फिल्म सी प्लस काफी वायरल हो रही है। गजीबो एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन तले बनी सी प्लस में वरुण व्यास ने शानदार अभिनय किया है।कोविड–१९ पर बनी ये शॉर्ट फिल्म छह मिनट ५१ सेकेंड की है। इस शॉर्ट फिल्म को सुबोध पांडे ने प्रोड्यूस किया है वहीं फिल्म का निर्देशन सुबोध पांडे के साथ हर्षवर्धन व्यास ने किया है। इस शॉर्ट फिल्म में देखने को मिल रहा है कि न्यूज चैनल और अखबरों में हर तरह कोरोना वायरस के कहर की खबर चल रही है। हर कोई इस संक्रामक बीमारी से हैरान और परेशान है। दुनियाभर में इस महामारी से हजारो–लाखों की मौत हो रही है। इस फिल्म में आगे दिखाया गया है कि कोरोना वायरस के संक्रमण का प्रसार करने में इंसान का ही हाथ है ये वायरस आज यदि दुनियाभर में फैला है तो वो बस इंसान की लापरवाही के चलते। इससे हमे और आपको एकजुट होकर निकलना होगा। बस एक–दूसरे से दूरी बनाएं, मास्क पहनें और सरकार के नियमों का पालन करें।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक